CS (Main) Exam : 2014

C–DRN–N–ITUD

सामान्य अध्ययन (प्रश्न-पत्र–IV)

समय : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें)

दो खण्डों में कुल **चौदह** प्रश्न दिए गए हैं जो **हिन्दी** एवं **अंग्रेजी** दोनों में छपे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों की शब्द सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

GENERAL STUDIES (PAPER–IV)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are FOURTEEN questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

All questions are compulsory.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

प्रश्नों के उत्तर बन्धनी में विनिर्दिष्ट शब्द सीमा से **ज्यादा न हों**। उत्तर की विषय-वस्तु शब्द सीमा से अधिक महत्त्वपूर्ण है।

Answer questions in NOT MORE than the word limit specified for each in the parenthesis. Content of the answer is more important than its length.

खण्ड—A / SECTION—A

1. *(a)* सभी मानव सुख की आकांक्षा करते हैं। क्या आप सहमत हैं? आपके लिए सुख का क्या अर्थ है? उदाहरण प्रस्तुत करते हुए स्पष्ट कीजिए। (*150* शब्द)

All human beings aspire for happiness. Do you agree? What does happiness mean to you? Explain with examples. (*150* words) 10

(b) मानव जीवन में नैतिकता किस बात की प्रोन्नति करने की चेष्टा करती है? लोक-प्रशासन में यह और भी अधिक महत्त्वपूर्ण क्यों है? (*150* शब्द)

What does ethics seek to promote in human life? Why is it all the more important in public administration? (*150* words) 10

2. *(a)* रक्षा सेवाओं के सन्दर्भ में, 'देशभक्ति' राष्ट्र की रक्षा करने में अपना जीवन उत्सर्ग करने तक की तत्परता की अपेक्षा करती है। आपके अनुसार, दैनिक असैनिक जीवन में देशभक्ति का क्या तात्पर्य है? उदाहरण प्रस्तुत करते हुए इसको स्पष्ट कीजिए और अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए। (*150* शब्द)

In the context of defence services, 'patriotism' demands readiness to even lay down one's life in protecting the nation. According to you, what does patriotism imply in everyday civil life? Explain with illustrations and justify your answer. (*150* words) 10

(b) लोक-जीवन में 'सत्यनिष्ठा' से आप क्या अर्थ ग्रहण करते हैं? आधुनिक काल में इसके अनुसार चलने में क्या कठिनाइयाँ हैं? इन कठिनाइयों पर किस प्रकार विजय प्राप्त कर सकते हैं? (*150* शब्द)

What do you understand by 'probity' in public life? What are the difficulties in practicing it in the present times? How can these difficulties be overcome? (*150* words) 10

3. *(a)* ''ज्ञान के बिना ईमानदारी कमज़ोर और व्यर्थ है, परन्तु ईमानदारी के बिना ज्ञान ख़तरनाक और भयानक होता है।'' इस कथन से आप क्या समझते हैं? आधुनिक सन्दर्भ से उदाहरण लेते हुए अपने अभिमत को स्पष्ट कीजिए। (*150* शब्द)

"Integrity without knowledge is weak and useless, but knowledge without integrity is dangerous and dreadful." What do you understand by this statement? Explain your stand with illustrations from the modern context. (*150* words) 10

(b) ''मनुष्यों के साथ सदैव उनको, अपने-आप में 'लक्ष्य' मानकर व्यवहार करना चाहिए, कभी भी उनको केवल 'साधन' नहीं मानना चाहिए।'' आधुनिक तकनीकी-आर्थिक समाज में इस कथन के निहितार्थों का उल्लेख करते हुए इसका अर्थ और महत्त्व स्पष्ट कीजिए। (*150* शब्द)

"Human beings should always be treated as 'ends' in themselves and never as merely 'means'." Explain the meaning and significance of this statement, giving its implications in the modern techno-economic society. (*150* words) 10

4. *(a)* जीवन में नैतिक आचरण के सन्दर्भ में आपको किस विख्यात व्यक्तित्व ने सर्वाधिक प्रेरणा दी है? उसकी शिक्षाओं का सार प्रस्तुत कीजिए। विशिष्ट उदाहरण देते हुए वर्णन कीजिए कि आप अपने नैतिक विकास के लिए उन शिक्षाओं को किस प्रकार लागू कर पाए हैं। (*150* शब्द)

Which eminent personality has inspired you the most in the context of ethical conduct in life? Give the gist of his/her teachings. Giving specific examples, describe how you have been able to apply these teachings for your own ethical development. (*150* words) 10

(b) लोक-सेवकों पर भारी नैतिक उत्तरदायित्व होता है, क्योंकि वे सत्ता के पदों पर आसीन होते हैं, लोक-निधियों की विशाल राशियों पर कार्रवाई करते हैं, और उनके निर्णयों का समाज और पर्यावरण पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। ऐसे उत्तरदायित्व को निभाने के लिए, अपनी नैतिक सक्षमता पुष्ट करने हेतु आपने क्या कदम उठाए हैं? (*150* शब्द)

There is a heavy ethical responsibility on the public servants because they occupy positions of power, handle huge amounts of public funds, and their decisions have wide-ranging impact on society and environment. What steps have you taken to improve your ethical competence to handle such responsibility? (*150* words) 10

5. *(a)* वर्तमान समाज व्यापक विश्वास-न्यूनता से ग्रसित है। इस स्थिति के व्यक्तिगत कल्याण और सामाजिक कल्याण के सन्दर्भ में क्या परिणाम हैं? आप अपने को विश्वसनीय बनाने के लिए व्यक्तिगत स्तर पर क्या कर सकते हैं? (*150* शब्द)

The current society is plagued with widespread trust-deficit. What are the consequences of this situation for personal well-being and for societal well-being? What can you do at the personal level to make yourself trustworthy? (*150* words) 10

(b) अक्सर कहा जाता है कि निर्धनता भ्रष्टाचार की ओर प्रवृत्त करती है। परन्तु, ऐसे भी उदाहरणों की कोई कमी नहीं है जहाँ सम्पन्न एवं शक्तिशाली लोग बड़ी मात्रा में भ्रष्टाचार में लिप्त हो जाते हैं। लोगों में व्याप्त भ्रष्टाचार के आधारभूत कारण क्या हैं? उदाहरणों के द्वारा अपने उत्तर को सम्पुष्ट कीजिए। (*150* शब्द)

It is often said that poverty leads to corruption. However, there is no dearth of instances where affluent and powerful people indulge in corruption in a big way. What are the basic causes of corruption among people? Support your answer with examples. (*150* words) 10

6. सामाजिक समस्याओं के प्रति व्यक्ति की अभिवृत्ति (ऐटिट्यूड) के निर्माण में कौन-से कारक प्रभाव डालते हैं? हमारे समाज में अनेक सामाजिक समस्याओं के प्रति विषम अभिवृत्तियाँ व्याप्त हैं। हमारे समाज में जाति प्रथा के बारे में क्या-क्या विषम अभिवृत्तियाँ आपको दिखाई देती हैं? इन विषम अभिवृत्तियों के अस्तित्व को आप किस प्रकार स्पष्ट करते हैं? (*150* शब्द)

What factors affect the formation of a person's attitude towards social problems? In our society, contrasting attitudes are prevalent about many social problems. What contrasting attitudes do you notice about the caste system in our society? How do you explain the existence of these contrasting attitudes? (*150* words) 10

7. लोक-सेवा के सन्दर्भ में 'जवाबदेही' का क्या अर्थ है? लोक-सेवकों की व्यक्तिगत और सामूहिक जवाबदेही को सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय अपनाए जा सकते हैं? (*150* शब्द)

What does 'accountability' mean in the context of public service? What measures can be adopted to ensure individual and collective accountability of public servants? (*150* words) 10

8. हमें देश में महिलाओं के प्रति यौन-उत्पीड़न के बढ़ते हुए दृष्टांत दिखाई दे रहे हैं। इस कुकृत्य के विरुद्ध विद्यमान विधिक उपबन्धों के होते हुए भी, ऐसी घटनाओं की संख्या बढ़ रही है। इस संकट से निपटने के लिए कुछ नवाचारी उपाय सुझाइए। (*150* शब्द)

We are witnessing increasing instances of sexual violence against women in the country. Despite existing legal provisions against it, the number of such incidences is on the rise. Suggest some innovative measures to tackle this menace. (*150* words) 10

खण्ड—B / SECTION—B

निम्नलिखित प्रश्नों में दिए गए प्रकरणों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके बाद पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow :

9. आजकल समस्त विश्व में आर्थिक विकास पर अधिक ज़ोर दिया जा रहा है। इसके साथ ही साथ, विकास के कारण पैदा होने वाले पर्यावरणीय क्षरण के सम्बन्ध में चिन्ता भी बढ़ रही है। अनेकों बार, हमारे सामने विकासिक कार्यकलापों और पर्यावरणीय गुणता के बीच सीधा विरोध दिखाई पड़ता है। विकासिक प्रक्रम को रोक देना या उसमें काट-छाँट कर देना भी साध्य नहीं है, और ना ही पर्यावरण के क्षरण को बढ़ने देना उचित है, क्योंकि यह तो हमारे सबके जीवन के लिए ही ख़तरा है।

ऐसी कुछ साध्य रणनीतियों पर चर्चा कीजिए, जिनको इस द्वन्द्व का शमन करने के लिए अपनाया जा सकता हो और जो हमें धारणीय (सस्टेनेबल) विकास की ओर ले जा सकती हों। (*250* शब्द)

Now-a-days, there is an increasing thrust on economic development all around the globe. At the same time, there is also an increasing concern about environmental degradation caused by development. Many a time, we face a direct conflict between developmental activity and environmental quality. It is neither feasible to stop or curtail the developmental process, nor it is advisable to keep degrading the environment, as it threatens our very survival.

Discuss some feasible strategies which could be adopted to eliminate this conflict and which could lead to sustainable development. (*250* words) 20

10. मान लीजिए कि आपके निकट मित्रों में से एक, जो स्वयं सिविल सेवा में जाने के लिए प्रयत्नशील है, वह लोक-सेवा में नैतिक आचरण से सम्बन्धित कुछ मुद्दों पर चर्चा करने के लिए आपके पास आता है। वह निम्नलिखित बिन्दुओं को उठाता है :

(*i*) आज के समय में, जब अनैतिक वातावरण काफ़ी फैला हुआ है, नैतिक सिद्धान्तों से चिपके रहने के व्यक्तिगत प्रयास, व्यक्ति के कैरियर में अनेक समस्याएँ पैदा कर सकते हैं। ये परिवार के सदस्यों पर कष्ट पैदा करने और साथ ही साथ स्वयं के जीवन पर जोखिम का कारण भी बन सकते हैं। हम क्यों न व्यावहारिक बनें और न्यूनतम प्रतिरोध के रास्ते का अनुसरण करें, और जितना अच्छा हम कर सकें, उसे ही करके प्रसन्न रहें?

(ii) जब इतने अधिक लोग ग़लत साधनों को अपना रहे हैं और तंत्र को भारी नुक़सान पहुँचा रहे हैं, तब क्या फ़र्क़ पड़ेगा यदि केवल कुछ-एक लोग ही नैतिकता की चेष्टा करें? वे अप्रभावी ही रहेंगे और निश्चित रूप से अन्ततः निराश हो जाएँगे।

(iii) यदि हम नैतिक सोच-विचार के बारे में अधिक बतंगड़ बनाएँगे, तो क्या इससे देश की आर्थिक उन्नति में रुकावट नहीं आएगी? असलियत में, उच्च प्रतिस्पर्धा के वर्तमान युग में, हम विकास की दौड़ में पीछे छूट जाने को सहन नहीं कर सकते।

(iv) यह तो समझ आता है कि भारी अनैतिक तौर-तरीकों में हमें फँसना नहीं चाहिए, लेकिन छोटे-मोटे उपहारों को स्वीकार करना और छोटी-मोटी तरफ़दारियाँ करना सभी के अभिप्रेरण में वृद्धि कर देता है। यह तंत्र को और भी अधिक सुचारु बना देता है। ऐसे तौर-तरीकों को अपनाने में ग़लत क्या है?

उपरोक्त दृष्टिकोणों का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। इस विश्लेषण के आधार पर अपने मित्र को आपकी क्या सलाह रहेगी? (*250* शब्द)

Suppose one of your close friends, who is also aspiring for civil services, comes to you for discussing some of the issues related to ethical conduct in public service. He raises the following points :

(i) In the present times, when unethical environment is quite prevalent, individual attempts to stick to ethical principles may cause a lot of problems in one's career. It may also cause hardship to the family members as well as risk to one's life. Why should we not be pragmatic and follow the path of least resistance, and be happy with doing whatever good we can?

(ii) When so many people are adopting wrong means and are grossly harming the system, what difference would it make if only a small minority tries to be ethical? They are going to be rather ineffective and are bound to get frustrated.

(iii) If we become fussy about ethical considerations, will it not hamper the economic progress of our country? After all, in the present age of high competition, we cannot afford to be left behind in the race of development.

(iv) It is understandable that we should not get involved in grossly unethical practices, but giving and accepting small gratifications and doing small favours increases everybody's motivation. It also makes the system more efficient. What is wrong in adopting such practices?

Critically analyze the above viewpoints. On the basis of this analysis, what will be your advice to your friend? (*250* words) 20

11. आप अनाप-शनाप न सहने वाले, ईमानदार अधिकारी हैं। आपका तबादला एक सुदूर ज़िले में एक ऐसे विभाग के प्रमुख के रूप में कर दिया गया है, जो अपनी अदक्षता और संवेदनहीनता के लिए कुख्यात है। आप पाते हैं कि इस घटिया कार्य-स्थिति का मुख्य कारण कर्मचारियों के एक भाग में अनुशासनहीनता है। वे स्वयं तो कार्य करते नहीं हैं और दूसरों के कार्य में भी गड़बड़ी पैदा करते हैं। सबसे पहले आपने उत्पातियों को सुधर जाने की, अन्यथा अनुशासनिक कार्रवाई का सामना करने की चेतावनी दी। जब इस चेतावनी का ना के बराबर असर हुआ, तब आपने नेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया। इसके बदले के रूप में उन्होंने अपने बीच की एक महिला कर्मचारी को आपके विरुद्ध महिला आयोग में यौन-उत्पीड़न की एक शिकायत दायर करने के लिए भड़का दिया। आयोग ने तुरन्त आपका स्पष्टीकरण माँगा।

आपको इससे आगे भी लज्जित करने के लिए मामला मीडिया में भी प्रसारित किया गया। इस स्थिति से निपटने के विकल्पों में से कुछ निम्नलिखित हो सकते हैं :

(i) आयोग को अपना स्पष्टीकरण दे दीजिए और अनुशासनिक कार्रवाई पर नरमी बरतिए।

(ii) आयोग को नज़रअंदाज़ कर दीजिए और अनुशासनिक कार्रवाई को मज़बूती के साथ आगे बढ़ाइए।

(iii) अपने उच्च अधिकारियों को संक्षेप में अवगत करा दीजिए, उनसे निर्देश माँगिए और उनके अनुसार कार्य कीजिए।

कोई अन्य सम्भव विकल्प सुझाइए। सभी का मूल्यांकन कीजिए और अपने कारण बताते हुए सबसे अच्छा विकल्प स्पष्ट कीजिए। (*250* शब्द)

You are a no-nonsense, honest officer. You have been transferred to a remote district to head a department that is notorious for its inefficiency and callousness. You find that the main cause of the poor state of affairs is the indiscipline of a section of employees. They do not work themselves and also disrupt the working of others. You first warned the troublemakers to mend their ways or else face disciplinary action. When the warning had little effect, you issued a show cause notice to the ringleaders. As a retaliatory measure, these troublemakers instigated a woman employee amongst them to file a complaint of sexual harassment against you with the Women's Commission. The Commission promptly seeks your explanation. The matter is also publicized in the media to embarrass you further. Some of the options to handle this situation could be as follows :

(i) Give your explanation to the Commission and go soft on the disciplinary action.

(ii) Ignore the Commission and proceed firmly with the disciplinary action.

(iii) Brief your higher-ups, seek directions from them and act accordingly.

Suggest any other possible option(s). Evaluate all of them and suggest the best course of action, giving your reasons for it. (*250* words) 20

12. मान लीजिए कि आप ऐसी कम्पनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सी० ई० ओ०) हैं, जो एक सरकारी विभाग के द्वारा प्रयुक्त विशेषीकृत इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बनाती है। आपने विभाग को उपस्कर की पूर्ति के लिए अपनी बोली पेश कर दी है। आपके ऑफर की गुणता और लागत दोनों आपके प्रतिस्पर्धियों से बेहतर हैं। इस पर भी सम्बन्धित अधिकारी टेंडर पास करने के लिए मोटी रिश्वत की माँग कर रहा है। ऑर्डर की प्राप्ति आपके और आपकी कम्पनी, दोनों के लिए महत्त्वपूर्ण है। ऑर्डर न मिलने का अर्थ होगा उत्पादन रेखा का बन्द कर देना। यह आपके स्वयं के कैरियर को भी प्रभावित कर सकता है। फिर भी, मूल्य-सचेत व्यक्ति के रूप में आप रिश्वत देना नहीं चाहते हैं।

रिश्वत देने और ऑर्डर प्राप्त कर लेने, तथा रिश्वत देने से इनकार करने और ऑर्डर को हाथ से निकल जाने—दोनों के लिए वैध तर्क दिए जा सकते हैं। ये तर्क क्या हो सकते हैं? क्या इस धर्मसंकट से बाहर निकलने का कोई बेहतर रास्ता हो सकता है? यदि हाँ, तो इस तीसरे रास्ते की अच्छाइयों की ओर इंगित करते हुए उसकी रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए। (*250* शब्द)

Suppose you are the CEO of a company that manufactures specialized electronic equipment used by a government department. You have submitted your bid for the supply of this equipment to the department. Both the quality and cost of your offer are better than those of the competitors. Yet the concerned officer is demanding a

hefty bribe for approving the tender. Getting the order is important both for you and for your company. Not getting the order would mean closing a production line. It may also affect your own career. However, as a value-conscious person, you do not want to give bribe.

Valid arguments can be advanced both for giving the bribe and getting the order, and for refusing to pay the bribe and risking the loss of the order. What those arguments could be? Could there be any better way to get out of this dilemma? If so, outline the main elements of this third way, pointing out its merits. (*250* words) 20

13. रामेश्वर ने गौरवशाली सिविल सेवा परीक्षा को सफलतापूर्वक पास कर लिया और वह ऐसे सुअवसर से अभिभूत था जो सिविल सेवा के माध्यम से देश की सेवा करने के लिए उसको मिलने वाला था। परन्तु, सेवा का कार्यग्रहण करने के शीघ्र बाद उसने महसूस किया कि वस्तुस्थिति उतनी सुन्दर नहीं है जितनी उसने कल्पना की थी।

उसने अपने विभाग में व्याप्त अनेक अनाचार पाए। उदाहरण के रूप में, विभिन्न योजनाओं और अनुदानों के अधीन निधियाँ दुर्विनियोजित की जा रही थीं। सरकारी सुविधाओं का अक्सर अधिकारियों और स्टाफ द्वारा व्यक्तिगत आवश्यकताओं के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। कुछ समय के बाद उसने यह भी देखा कि स्टाफ को भर्ती करने की प्रक्रिया भी दोषपूर्ण थी। भावी उम्मीदवारों को एक परीक्षा लिखनी होती थी जिसमें काफ़ी नक़लबाज़ी चलती थी। कुछ उम्मीदवारों को परीक्षा में बाह्य सहायता भी प्रदान की जाती थी। रामेश्वर ऐसी घटनाओं को अपने वरिष्ठों की नज़र में लाया। परन्तु, इस पर उसको अपनी आँखें, कान और मुख बंद रखने और इन सभी चीजों को नज़रअंदाज़ करने की सलाह दी गई। यह बताया गया कि सब उच्चतर अधिकारियों की मिलीभगत से चल रहा था। इससे रामेश्वर का भ्रम टूटा और वह व्याकुल रहने लगा। वह सलाह के लिए आपके पास आता है।

ऐसे विभिन्न विकल्प सुझाइए, जो आपके विचार में, ऐसी परिस्थिति में रामेश्वर के लिए उपलब्ध हैं। इन विकल्पों का मूल्यांकन करने और सर्वाधिक उचित रास्ता अपनाने में आप उसकी किस प्रकार सहायता करेंगे? (*250* शब्द)

Rameshwar successfully cleared the prestigious civil services examination and was excited about the opportunity that he would get through the civil services to serve the country. However, soon after joining the services, he realized that things are not as rosy as he had imagined.

He found a number of malpractices prevailing in the department assigned to him. For example, funds under various schemes and grants were being misappropriated. The official facilities were frequently being used for personal needs by the officers and staff. After some time, he noticed that the process of recruiting the staff was also not up to the mark. Prospective candidates were required to write an examination in which a lot of cheating was going on. Some candidates were provided external help in the examination. Rameshwar brought these incidents to the notice of his seniors. However, he was advised to keep his eyes, ears and mouth shut and ignore all these things which were taking place with the connivance of the higher-ups. Rameshwar felt highly disillusioned and uncomfortable. He comes to you seeking your advice.

Indicate various options that you think are available in this situation. How would you help him to evaluate these options and choose the most appropriate path to be adopted? (*250* words) 20

14. हमारे देश में, ग्रामीण लोगों का क़स्बों और शहरों की ओर प्रवसन तेज़ी के साथ बढ़ रहा है। यह ग्रामीण और नगरीय, दोनों क्षेत्रों में विकट समस्याएँ पैदा कर रहा है। वास्तव में, स्थिति यथार्थ में अप्रबन्धनीय होती जा रही है। क्या आप इस समस्या का विस्तार से विश्लेषण कर सकते हैं और इस समस्या के लिए जिम्मेदार न केवल सामाजिक-आर्थिक, वरन् भावनात्मक और अभिवृत्तिक कारकों को बता सकते हैं? साथ ही, स्पष्ट रूप से उजागर कीजिए कि क्यों—

In our country, the migration of rural people to towns and cities is increasing drastically. This is causing serious problems both in the rural as well as in the urban areas. In fact, things are becoming really unmanageable. Can you analyze this problem in detail and indicate not only the socio-economic but also the emotional and attitudinal factors responsible for this problem? Also, distinctly bring out why—

(a) शिक्षित ग्रामीण युवा शहरी क्षेत्रों में स्थानांतरित होने की कोशिश कर रहे हैं;

educated rural youth are trying to shift to urban areas;

(b) भूमिहीन निर्धन लोग नगरीय मलिन बस्तियों में प्रवसन कर रहे हैं;

landless poor people are migrating to urban slums;

(c) यहाँ तक कि कुछ किसान अपनी ज़मीन बेच रहे हैं और शहरी क्षेत्रों में छोटी-मोटी नौकरियाँ लेकर बसने की कोशिश कर रहे हैं।

even some farmers are selling off their land and trying to settle in urban areas taking up petty jobs.

आप कौन-से साध्य कदम सुझा सकते हैं, जो हमारे देश की इस गम्भीर समस्या का नियंत्रण करने में प्रभावी होंगे? (*250* शब्द)

What feasible steps can you suggest which will be effective in controlling this serious problem of our country? (*250* words) 20

★★★